Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 1

BA/MD/HIN/1/DSC/ 101

हिंदी साहित्य का इतिहास (पृष्ठभूमि एवं आदिकाल)

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित करवाना। हिंदी साहित्य आंदोलनों की जानकारी प्राप्त करना।
2. हिंदी साहित्य की पृष्ठिभूमि एवं आदिकाल के उद्भव का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. इतिहास व साहित्येतिहास लेखन के महत्त्व व उसके लेखन की प्रक्रिया का परिचय होगा।
2. हिंदी साहित्य के विभिन्न पड़ावों की जानकारी होगी।
3. भारतीय इतिहास के परिवर्तनों व उसके हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभावों की पहचान होगी।

खंड—क

साहित्येतिहास से अभिप्राय:
साहित्येतिहास दर्शन
हिंदी साहित्येतिहास की पूर्व पीठिका

खंड-ख

हिंदी साहित्य इतिहास लेखन परम्परा
हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण
हिंदी साहित्य लेखन की पद्धतियाँ

खंड-ग

आदिकाल का नामकरण
आदिकाल की परिस्थितियाँ
आदिकाल की प्रवृत्तियाँ

खंड-घ

रासो काव्य परम्परा
रासो काव्य प्रवृत्तियाँ
सिद्ध साहित्य
नाथ साहित्य

संदर्भ सूची:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास, लेखक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल , नागरी प्रचारिणी सभा काशी,
2. हिंदी साहित्य की भूमिका, लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिंदी ग्रन्थ रत्नाकर,
3. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. राम कुमार वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (दो खंड) गणपति चंद्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स, प्रोफेसर रसाल सिंह, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 1

BA/MD/HIN/1/DSC/102

कथाकार प्रेमचंद: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4
परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**
बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

प्रेमचन्द के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षितपरिणाम

1. प्रेमचन्द के कथा सरोकारों व मूल्यों का बोध होगा।
2. प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी।
3. प्रेमचंद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा।
4. प्रेमचंद के साहित्य में जनचेतना के स्वर का अध्ययन।

खंड-क

बड़े भाई साहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात (कहानियाँ)

खंड-ख

ठाकुर का कुआँ, दो बैलों की कथा, शतरंज के खिलाडी, बूढी काकी।

खंड-ग

प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबंध: सम्पादक सत्यप्रकाश मिश्र (साहित्य की प्रगति, उपन्यास रचना, उपन्यास, साहित्य का उद्देश्य और कहानी कला)

खंड-घ

उपर्युक्त तीनों खण्डों पर आधारित व्याख्या.

संदर्भ सूची:

1. प्रेमचंद और उनका युग: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. प्रतिनिधि कहानियाँ: प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद के श्रेष्ठ निबन्ध, सम्पादक सत्यप्रकाश मिस्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहावाद।
4. प्रेमचंद: चिन्तन और कला—इंद्रनाथ मदान, सरस्वती प्रेस बनारस, बनारस (काशी)
5. प्रेमचंद और भारतीय किसान—रामवक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रेमचंद प्रतिनिधि संकलन—प्रधान सम्पादक नामवर सिंह (राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, शिक्षा मंत्रालय, भारत)
7. प्रेमचन्द कहानी कोश—कमल किशोर गोयनका, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 1

BA/MD/HIN/1/DSC/ 103

कवि मैथिलीशरण गुप्त: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मैथिलीशरण गुप्त के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षितपरिणाम

1. मैथिलीशरण गुप्त के कथा सरोकारों व मूल्यों का बोध होगा
2. मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी
3. मैथिलीशरण गुप्त के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा
4. नवजागरण व राष्ट्रीय आन्दोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ विकसित होगी.

खंड-क

जयद्रथ वध, भारत-भारती, सन्देश यहाँ मैं नहीं स्वर्ग का लाया

खंड-ख

साकेत: नवं सर्ग (आरम्भिक पाँच कविताएं)

खंड-ग

मातृ-मंदिर, सुदामा, यशोधरा: सखि संवाद, वीर अभिमन्यु, अतीत का गौरव गान

खंड-घ

उपर्युक्त तीनों खण्डों (क,ख, और ग) में से व्याख्या भाग दिया जाएगा।

संदर्भ सूची:

1. यशोधरा—मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य सदन, नई दिल्ली।
2. जयद्रथ वध—मैथिलीशरण गुप्त, साकेत प्रकाशन, पुणे, महाराष्ट्र।
3. भारत-भारती—मैथिलीशरण गुप्त, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. मैथिलीशरण गुप्त—रेवती रमण, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
5. मैथिलीशरण गुप्त प्रासंगिकता के अंत: सूत्र—कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त—सम्पादक ठाकुर प्रसाद सिंह, हिंदी संस्थान लखनऊ।

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 1

BA/MD/HIN/1/MIC/101

हिंदी भाषा और व्याकरण

क्रेडिट: 4
परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**
बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

विद्यार्थियों को हिंदी भाषा और व्याकरण सम्बन्धी जानकारी देना.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. हिंदी भाषा के बारे में विद्यार्थियों को सामान्य जानकारी देना
2. हिंदी व्याकरण का ज्ञान उपलब्ध कराना
3. हिंदी वर्णमाला का परिचय देना
4. देवनागरी लिपि के मानकीकरण सम्बन्धी जानकारी देना

खंड—क

भाषा का अर्थ
भाषा की परिभाषा
भाषा का स्वरूप
हिंदी की वर्ण व्यवस्था

खंड-ख

हिंदी की मानक ध्वनियाँ
स्वरों का वर्गीकरण
व्यंजनों का वर्गीकरण

खंड-ग

हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ: संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण

खंड-घ

हिंदी की शब्द संरचना; संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय

संदर्भ सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान, बाबूराम सक्सेना, साहित्य सम्मेलन प्रयाग।
2. हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार इलाहाबाद।
3. हिंदी भाषा उद्भव और विकास: हरदेव बाहरी, किताब महल इलाहाबाद।
4. भाषा विज्ञान की भूमिका, देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिंदी भाषा का इतिहास, धीरेन्द्र वर्मा हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 1

BA/MD/HIN/1/MDC/101

हिंदी सिनेमा अध्ययन

क्रेडिट: 3

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: 75

बाह्य मूल्यांकन : 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(4×2= 8 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक -एक प्रश्नका उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(3×14= 42 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी सिनेमा से विद्यार्थियों का परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. सिनेमा सिद्धांतों की जानकारी देना।
2. हिंदी सिनेमा की विकास-यात्रा की जानकारी देना।
3. फ़िल्म समीक्षा की व्यावहारिक जानकारी देना।

खंड—क

सिनेमा का उद्भव एवं विकास
सिनेमा से सम्बन्धित प्रमुख संस्थाएं
सिनेमा निर्माण के केंद्र

खंड-ख

सिनेमा और समाज
सिनेमा और साहित्य का सम्बन्ध

खंड-ग

आरम्भिक हिंदी सिनेमा का स्वरूप
हिंदी सिनेमा का रूमानी दौर

हिंदी सिनेमा का वर्तमान परिदृश्य

संदर्भ सूची:

1. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ; जवरीमल्ल पारख; अनामिका प्रकाशन दिल्ली।
2. सिनेमा: आज, कल और कल; विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन।
3. सिनेमा के विविध संदर्भ; डॉ सुरभि विप्लव, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्ड सिनेमा (हिस्ट्री); सम्पादक ज्योफ्री नोवेल स्मिथ, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, ।
5. दास्ताँ-ए-मुग़ल-ए-आजम; राजकुमार केसवानी, मंजुल पब्लिशिंग हाउस, भोपाल।
6. सिनेमा: कल, आज और कल—विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
7. सिनेमा और साहित्य—हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. पुस्तक समीक्षा का इतिहास—संतोष संघी, उमराव सिंह प्रकाशन, जयपुर।
9. हिंदी सिनेमा के सौ बरस—संजय सिंह, अक्षर प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
10. भारतीय सिनेमा का सफरनामा—पुनीत बिसारिया, रंजनआर्यन शुक्ल अटलांटिक प्रकाशन, एंड डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड, नई दिल्ली।

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 1

BA/MD/HIN/1/AEC/ 101

हिंदी भाषा: सामान्य परिचय

क्रेडिट: **2**
परीक्षा समय: **2 घंटे**

अधिकतम अंक: 50
बाह्य मूल्यांकन : 35 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 15 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। **(7×1= 7 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में दो खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक -एक प्रश्नका उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(2×14=28 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी भाषा की विकास-यात्रा से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. हिंदी भाषा के विकास व उसकी बोलियों का ज्ञान होगा।
2. हिंदी भाषा के विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित होंगे।

खंड—क

हिंदी भाषा: उद्भव एवं विकास
हिंदी की उपभाषाएं एवं बोलियों का वर्गीकरण

खंड-ख

ब्रज, अवधि और खड़ी बोली का सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियाँ

संदर्भ सूची:

1. हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास, उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
2. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी किताब महल नई दिल्ली।
3. हिंदी भाषा का इतिहास, लेखक धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग।
4. समसामयिक भाषा विज्ञान, डॉ कविता रस्तोगी, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ।
5. हिंदी: उद्भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद।

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 1

BA/MD/HINDI/1/SEC/101

कार्यालयी हिंदी

क्रेडिट: 3 **अधिकतम अंक: 75**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(4×2= 8 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक -एक प्रश्नका उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(3×14= 42 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षितपरिणाम

कार्यालयों में हिंदी की उपयोगिता बढ़ेगी

मातृभाषा को बढ़ावा मिलेगा

खंड—क

कार्यालयी हिंदी का उद्देश्य

कार्यालयी हिंदी: स्थिति एवं संभावनाएं

खंड-ख

कार्यालयी पत्राचार के प्रकार (परिपत्र, ज्ञापन और सूचना आदेश)

खंड-ग

कार्यालयी पत्राचार: सरकारी एवं अर्द्ध-सरकार पपत्र

संदर्भ सूची:

1. प्रयोजनमूलक हिंदी—विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. राजभाषा सहायिका—अवधेश मोहन गुप्त, प्रभात प्रकाशन, लखनऊ
3. पत्रकारिता हेतु लेखन—डॉ निशान सिंह, रचना पब्लिकेशन, दिल्ली
4. प्रालेखन प्रारूप—शिव नारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, द

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 1

BA/MD/HIN/1/VAC/101

हिंदी भाषा एवं मानवीय मूल्य

क्रेडिट: **2** **अधिकतम अंक: 50**

परीक्षा समय: **2 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 35 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 15 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। **(7×1= 7 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में दो खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक -एक प्रश्नका उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(2×14=28 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- भाषा और मानवीय मूल्यों से परिचित करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- भाषा की विस्तृत जानकारी
- मानवीय मूल्यों की विस्तृत जानकारी
- समाज की स्वरूपगत जानकारी
- व्यक्ति और समाज के सह-संबंध की जानकारी

खंड-(क)

भाषा की अवधारणा एवं स्वरूप

समाज की अवधारणा एवं स्वरूप

भाषा एवं समाज का अंत:सम्बन्ध

खंड (ख)

संस्कृति एवं मानव मूल्य: अवधारणा एवं स्वरूप

भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्य: अंत: सम्बन्ध

व्यक्ति और समाज: अंत: सम्बन्ध

संदर्भ सूची:

1. नैतिक और मानवीय मूल्य—अजित नारायण त्रिपाठी, प्रतिश्रुति प्रकाशन
2. मानव मूल्य और साहित्य—डॉ. धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ
3. भारतीय सभ्यता और संस्कृति—हरि विलास मिश्र, विद्या भवन, प्रकाशन, जयपुर
4. हिंदी-भाषा—श्यामसुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी-भाषा—भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

Semester Second

BA/MD/HIN/2/DSC/104

मध्यकालीन हिंदी काव्य

क्रेडिट: 4
परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**
बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी।

(2×7=14 अंक)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

मध्यकालीन हिंदी कविता से परिचय मुख्य उद्देश्य इसके अतिरिक्त रीतिकाल के अध्ययन के माध्यम से सौन्दर्य के विविध पक्षों के अध्ययन द्वारा रीतिकाल की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करना.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. मध्यकालीन हिंदी कविता से परिचय करवाना.
2. मध्यकालीन हिंदी कविता की आलोचनात्मक समझ का विकास करना.
3. मध्यकाल के अंतर्गत परिगणित भक्तिकाल साहित्य के स्वर्णयुग से सम्पूर्ण परिचय प्रदान करना.
4. भक्तिकाल के महान नायकों के काव्य अध्ययन के माध्यम से अनुभूति, अभिव्यक्ति और वैचारिकता के उत्कर्ष को आत्मसात् करना एवं जानना.

खंड-क

कबीरदास : पद संख्या 1 से 20 तक (सम्पादक रामसजन पाण्डेय)

सूरदास: पद संख्या: 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7,19, 20, 21, 22, 23, 24 और 25 तक (सम्पादक रामसजन पाण्डेय

खंड-ख

तुलसीदास: पद संख्या- 1, 2, 3, 4, 15, 16,17,18,19, 20, 21,22 ,23 ,24 और 25 तक (सम्पादक रामसजन पाण्डेय)

मीरांबाई: पद संख्या- 1, 2, 3, 4, 5, 6, 9,10,12,14,18,19,20,21,22 और 23 तक (सम्पादक रामसजन पाण्डेय)

खंड-ग

बिहारी: पद संख्या- 1 से 15 तक तक (सम्पादक रामसजन पाण्डेय)
घनानंद: पद संख्या- 1 से 10 एवं 23 वां तक (सम्पादक रामसजन पाण्डेय)

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खण्डों (क,ख,ग) से दीर्घ प्रश्न पूछे जायेंगे

संदर्भ सूची:

1. मध्यकालीन काव्य कुंज-(- सं रामसजन पांडेय), खाटू श्याम प्रकाशन, रोहतक
2. कबीर वाणी—सम्पादक पारसनाथ तिवारी, राका प्रकाशन, इलाहाबाद
3. पद्मावत—सम्पादक वासुदेव शरण अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भ्रमरगीत सार--सम्पादक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. रीतिकाव्य संग्रह—सम्पादक विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबा

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

Semester Second

BA/MD/HIN/2/DSC/105

कथाकार जयशंकर प्रसाद: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. जयशंकर प्रसाद के जीवन, साहित्य, दर्शन और उनके साहित्यिक अवदान से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षितपरिणाम

1. जयशंकर प्रसाद के कथा सरोकारों व मूल्यों का बोध होगा
2. जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी
3. जयशंकर प्रसाद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा
4. नवजागरण व राष्ट्रीय आन्दोलन में हिंदी साहित्य के योगदान की समझ विकसित होगी.

खंड-क

ममता, आकाशदीप, गुंडा, प्रतिध्वनि, छाया (कहानियाँ)

खंड-ख

आंधी, इंद्रजाल, रमला, पुरस्कार, व्रत-भंग

खंड-ग

एक घूंट (एकांकी)—जयशंकर प्रसाद

खंड-घ

उपर्युक्त तीनों खण्डों (क,ख, और ग) में से व्याख्या भाग दिया जाएगा.

संदर्भ सूची:

1. जयशंकर प्रसाद की लोकप्रिय कहानिया—जयशंकर प्रसाद, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता—प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
3. जयशंकर प्रसाद—रमेशचंद्र शाह, साहित्य अकादमी, दिल्ली 1987
4. लहर--जयशंकर प्रसाद, कला मंदिर, नई सड़क, दिल्ली
5. एक घूंट—जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, नई दिल्ली
6. प्रतिनिधि कहानियाँ—जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. प्रसाद समग्र—सूर्यप्रसाद दीक्षित, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

Semester Second

BA/MD/HIN/2/DSC/106

कवयित्री महादेवी वर्मा एक विशेष :अध्ययन

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **3×14= 42 अंक**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. महादेवी वर्मा के दर्शन का परिचय कराना

पाठ्यक्रम के अपेक्षितपरिणाम

1. महादेवी वर्मा के रहस्यवाद से परिचय होगा
2. महादेवी की अनुभूतियों से आत्मसात्
3. महादेवी की विरह व्यंजना को समझना

खंडक-

यह मंदिर का दीप(कविताएं) मिटने का अधिकार ,कौन तुम मेरे हृदय में ,जो तुम आ जाते एक बार ,

खंडख-

मधुर !क्या पूजा क्या अर्चन रे ,जाग तुझको दूर जाना ,नीर भरी दुख की बदली ,मधुर मेरे दीपक जल-(कविताएं)

खंडग-

दीप मेरे जल अकंपित(कविताएं) बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ ,पूछता क्यों शेष कितनी रात ,

खंड घ-

उपर्युक्त तीनों खण्डों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची:

1. महादेवी वर्मा का काव्य: कला और दर्शन; रश्मि दीक्षित, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान दिल्ली

2. महादेवी वर्मा और उनकी संधिनी, श्याम बजाज, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. महादेवी: नया मूल्यांकन; गणपतीचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. महादेवी देवी का काव्य: कला और दर्शन—रश्मि दीक्षित, केन्द्रीय हिंदी, आगरा
5. छायावाद—नामवर सिंह राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

Semester Second

BA/MD/HIN/2/MIC/102

भाषा विज्ञान: सामान्य परिचय

क्रेडिट: 4
परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**
बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**
3.

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. भाषा व भाषा सिद्धांतों से परिचित कराना.
2. हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप व प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. भाषा विज्ञान के विभिन्न अवयवों की जानकारी मिलेगी.
2. भाषायी अध्ययन और साहित्य के भाषायी अध्ययन में मदद मिलेगी .
3. हिंदी भाषा के विकास व उसकी बोलियों का ज्ञान होगा.

खंड—क

भाषा विज्ञान: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
भाषा विज्ञान अध्ययन की शाखाएं एवं दिशाएं

खंड-ख

ध्वनि: अवधारणा
ध्वनि परिवर्तन: कारण एवं दिशाएं

खंड-ग

वाक्य: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
वाक्य के भेद (प्रकार)

खंड-घ

अर्थ की अवधारणा

अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

संदर्भ सूची:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका—देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा विज्ञान—भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद
3. भाषा विज्ञान प्रवेश—भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहबाद
4. भाषा और संवेदना—रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
5. भाषा विज्ञान, हिंदी और लिपि—रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

Semester Second

BA/MD/HIN/2/MDC/102

पुस्तक एवं फ़िल्म समीक्षा

क्रेडिट: 3 **अधिकतम अंक: 75**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(4×2= 8 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड इसे एक-एक प्रश्नका उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(3×14= 42 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. पुस्तक एवं फ़िल्म समीक्षा की सैद्धांतिक से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. पुस्तक समीक्षा सम्बन्धी मूलभूत जानकारी प्राप्त होगी
2. फ़िल्म समीक्षा सम्बन्धी आधारभूत जानकारी उपलब्ध होगी
3. विद्यार्थियों में आलोचनात्मक एवं विश्लेषणात्मक समझ विकसित होगी

खंड—क

पुस्तक समीक्षा: अर्थ एवं परिभाषा
पुस्तक समीक्षा: उद्देश्य
पुस्तक समीक्षा: विशेषताएं
फ़िल्म समीक्षा: महत्व

खंड-ख

तमस उपन्यास (समीक्षात्मक अध्ययन)–भीष्म साहनी

खंड-ग

लगान— फिल्म (समीक्षात्मक अध्ययन) निर्देशक आशुतोष गोवारिकर

संदर्भ सूची:

1. सिनेमा: कल, आज और कल—विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
2. सिनेमा और साहित्य—हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पुस्तक समीक्षा का इतिहास—संतोष संघी, उमराव सिंह प्रकाशन, जयपुर
4. हिंदी सिनेमा के सौ बरस—संजय सिंह, अक्षर प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
5. भारतीय सिनेमा का सफरनामा—पुनीत बिसारिया, रंजनआर्यन शुक्ल अटलांटिक प्रकाशन, एंड डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

Semester Second

BA/MD/HIN/2/AEC/102

अनुवाद सिद्धांत

क्रेडिट: **2**

परीक्षा समय: **2 घंटे**

अधिकतम अंक: 50

बाह्य मूल्यांकन : 35 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 15 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। **(7×1= 7 अंक**)
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में दो खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **2×14=28 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

कार्यालयी हिंदी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान प्रदान करना और अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी और महत्त्व प्रदान करना.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यवहारिक ज्ञान
2. अनुवाद करने की योग्यता में अभिवृद्धि

खंड—क

अनुवाद का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र और प्रकार

खंड-ख

अपठित गद्यांश (अंग्रेजी से हिंदी)

संदर्भ सूची:

1. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप –कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली
2. अनुवाद के विविध आयाम –पूरण व हरीश कुमार सेठी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत एवं प्रयोग –राजमणि शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ, अकादमी, पंचकूला
4. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण –तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका—रविन्द्र श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

Semester Second

BA/MD/HINDI/2/SEC/102

व्यावहारिक हिंदी

क्रेडिट: 3 **अधिकतम अंक: 75**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से 4 लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(4×2= 8 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(3×14= 42 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

हिंदी के व्यवहारिक पक्ष को बढ़ावा देना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. व्यवहारिक हिंदी में मानक भाषा की प्रासंगिकता की पहचान होगी.
2. व्याकरण एवं वर्तनी की समस्या और समाधान से अवगत कराना
3. भाषा के विविध रूप को जानना
4. संक्षेपण एवं पल्लवन का ज्ञान

खंड—क

मानक भाषा की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

हिंदी वर्तनी: समस्या एवं समाधान

खंड-ख

भाषा के विविध रूप: (मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा)

खंड-ग

व्यावहारिक हिंदी का स्वरूप

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

संदर्भ सूची:

1. राजभाषा कोश—हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
2. हिंदी-व्याकरण—गुरु कामताप्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
3. व्यावहारिक राजभाषा कोश—दिनेश चमोला, आत्मा राम एंड संस, नई दिल्ली
4. व्याहारिक हिंदी—भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. व्यावहारिक हिंदी: प्रक्रिया एवं स्वरूप—कैलाश चंद्र भाटिया, तकक्षिला प्रकाशन,नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

Semester Second

BA/MD/HIN/2/VAC/102

हिंदी साहित्य और संस्कृति

क्रेडिट: **2** **अधिकतम अंक: 50**

परीक्षा समय: **2 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 35 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 15 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×1= 7 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में दो खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड मेंसे एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(2×14=28 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

- हिंदी साहित्य और संस्कृति विषयक जानकारी

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

- साहित्य की विस्तृत जानकारी।
- संस्कृति की विस्तृत जानकारी
- साहित्य प्रयोजन की जानकारी
- साहित्य और संस्कृति का सह-सम्बन्ध ज्ञान

खंड-(एक)

1. साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
2. संस्कृति की अवधारणा एवं स्वरूप
3. साहित्य और संस्कृति का अंत:सम्बन्ध

खंड (दो)

1. साहित्य का प्रयोजन
2. आधुनिकता और हिंदी साहित्य
3. साहित्य और दर्शन का अंत:सम्बन्ध

सदर्भ सूची:-

1. साहित्य और संस्कृति—डॉ रामविलास शर्मा, किताब महल, इलाहाबाद
2. भारतीय साहित्य और संस्कृति—राजबली पाण्डेय, प्रकाशन मुंशीलाल मनोहरलाल, नई दिल्ली
3. साहित्य और संस्कृति—मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भाषा, साहित्य और संस्कृति—सम्पादक विमलेश कान्ति वर्मा, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली
5. साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन—सुशील बाला, किताब घर, इलाहाबाद

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 3

BA/MD/HIN/3/DSC/201

हिंदी गद्य भाग 1

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी गद्य साहित्य की विकास.करवाना परम्परा से परिचित-

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. कथा साहित्य के उद्भव एवं विकास की जानकारी मिलेगी.
2. हिंदी नाटक एवं रंगमंच के विकासप्रक्रिया की जानकारी मिलेगी-
3. निबन्ध विधा एवं उसकी विभिन्न कोटियों से परिचय होगा
4. कथेत्तर गद्य साहित्य की विधाओं का परिचय प्राप्त होगा

खंड—क

हिंदी कहानी: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

हिंदी उपन्यास: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

खंड-ख

हिंदी नाटक : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

हिंदी निबन्ध: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

खंड-ग

हिंदी रेखाचित्र: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

हिंदी संस्मरण: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

खंड-घ

हिंदी यात्रा वृत्तान्त: उद्भव एवं विकास

हिंदी रिपोर्ताज़: उद्भव एवं विकास

संदर्भ सूची:

1. हिंदी का गद्य साहित्य—डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. गद्य की सत्ता—रामस्वरूप चतुर्वेदी, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिंदी गद्य: विकास और विन्यास--रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी कहानी का विकास—मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. हिंदी उपन्यास का विकास--मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
6. हिंदी निबन्ध और निबन्धकार—ठाकुर प्रसाद सिंह, हिंदी पुस्तक एजेंसी, बनारस
7. हिंदी साहित्य का आधुनिक काल—प्रोफेसर हरिमोहन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 3

BA/MD/HIN/3/DSC/202

कवि जयशंकर प्रसाद: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

जयशंकर प्रसाद के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. छायावादी युग और आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रौढ़ता में जयशंकर के साहित्य का महत्त्व
2. जयशंकर प्रसाद के साहित्य सरोकारों एवं मूल्यों बोध होगा.
3. नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन में हिंदी साहित्य के छायावाद साहित्य के योगदान की समझ विकसित होगी

खंड क

आँसू (काव्य संग्रह)

खंड ख

कामायनी (चिंता सर्ग)

खंड ग

चयनित कविताएँ/लहर काव्य संग्रह

(ले चल मुझे बुलावा देकर मेरे नाविक, उस दिन जब जीवन पथ में, बीती विभावरी जाग री, अब जागो जीवन के प्रभात, अशोक की चिंता,प्रलय की छाया, शेर सिंह का शस्त्र समर्पण)

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची

1. कामायनी—जयशंकर प्रसाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आँसू—जयशंकर प्रसाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. लहर—जयशंकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रसाद काव्य—प्रेमशंकर, भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता—प्रभाकर श्रोत्रिय, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 3

BA/MD/HIN/3/DSC/203

कवि निराला: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

कवि निराला के जीवन, साहित्य और दर्शन का बोध होगा

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. छायावादी युग और आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रौढ़ता में कवि निराला के साहित्य का महत्त्व
2. कवि निराला के साहित्यिक सरोकारों एवं मूल्यों का बोध होगा
3. नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन में हिंदी साहित्य में छायावाद के योगदान की समझ विकसित होगी।
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी.

खंड क

विधवा
भिक्षुक
तोड़ती पत्थर
बांधो न नाव

खंड ख

वीणावादिनी वर दे
जागो फिर एक बार

जूही की कली
सरोज स्मृति

खंड ग

कुकुरमुत्ता
राम की शक्तिपूजा
तुलसीदास

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची:

1. राग विराग—निराला (काव्य) , सम्पादक रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. निराला का साहित्य और साधना—विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
3. महाकवि निराला काव्यकला-- विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा
4. निराला और उनका तुलसीदास—रामकुमार शर्मा, पद्म बुक कंपनी, जयपुर
5. निराला का गद्य—सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 3

BA/MD/HIN/3/MIC/201

प्रयोजनमूलक हिंदी एवं पारिभाषिक शब्दावली

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा के विकास, विविध रूप एवं प्रयोजनमूलकता से परिचित करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. कार्यालयी हिंदी के सैद्धांतिक स्वरूप का ज्ञान होगा।
2. राजभाषा सम्बन्धी संवैधानिक विविध रूपों का ज्ञान होगा।
3. पत्र लेखन की कला विकसित होगी।

खंड-क

प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थ, अवधारणा एवं स्वरूप

प्रयोजनमूलक हिंदी एवं उसके विविध रूप

खंड-ख

राजभाषा सम्बन्धी संवैधानिक प्रावधान- अनुच्छेद 343 से 351 तक

दृश्य, श्रव्य माध्यमों का परिचय

खंड-ग

पत्र-लेखन- स्वरूप, प्रकार एवं प्रारूप

आवेदन पत्र, प्रकार एवं प्रारूप, नियुक्ति पत्र, माँग पत्र, सरकारी पत्राचार,-स्वरूप,

खंड- घ

पारिभाषिक शब्दावली

1. Aeronautics
2. Afforestation
3. Alloy
4. Amplifiers
5. Analysis
6. Antibodies
7. Atmosphere
8. Bicimx lens
9. Calculation Machine
10. Calibration
11. Caliation
12. Capillary
13. Caustic
14. Central axis
15. Cerebrum
16. Chromosomes
17. Cluster
18. Coefficient
19. Compound
20. Condensation
21. Convention
22. Convex
23. Comet
24. Decomposition
25. Deflection
26. Dehydration
27. deffusion
28. Ditillation
29. Ecology
30. Elasticity
31. Lector osmories
32. Equilibrium
33. Equivalent
34. Endothmic
35. Extraction
36. Fermentation
37. Fertilization
38. Freezing
39. Fission
40. Formula

संदर्भ सूची

1. प्रयोजनमूलक हिंदी, दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. नरेश मिश्र, निर्मल प्रकाशन दिल्ली
3. राजभाषा हिंदी, कैलाश चंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. प्रशासनिक हिंदी, महेश चन्द्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. प्रयोजनमूलक हिंदी और काव्यांग, डॉ नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 3

अभिनव काव्य गरिमा

BA/MD/HIN/3/MDC/201

क्रेडिट: 3 **अधिकतम अंक: 75**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(4×2= 8 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड हैं। प्रथम दो खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक -एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(2×14= 28 अंक)**
3. तीसरा खंड व्याख्या पर आधारित है। उपर्युक्त दोनों खंडों में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक प्रसंग के लिए सात अंक निर्धारित है। **(2x7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक कविता के संवेदनात्मक पक्ष का परिचय करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. आधुनिक कविता की विकास यात्रा में उसके प्रौढ़ता के स्वर को जानना।
2. कविता के बारे में विद्यार्थिओं को समझ विकसित होगी।
3. नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन में हिंदी साहित्य के छायावाद साहित्य के योगदान की समझ विकसित होगी

खंड क

मातृमंदिर
सुदामा
भिक्षुक
बीती विभावरी जाग री ! (सम्पादक नरेश मिश्र, खाटू श्याम प्रकाशन, रोहतक)

खंड ख

वीणावादिनी वर दे
अरुण ! यह मधुमय देश हमारा
सखी ! वे मुझसे कहकर जाते

खोलो द्वार (सम्पादक नरेश मिश्र, खाटू श्याम प्रकाशन, रोहतक)

खंड ग

उपर्युक्त दोनों खण्डों पर आधारित व्याख्या

पुस्तक संदर्भ सूची

1. अभिनव काव्य गरिमा, प्रकाशन दूरवर्ती शिक्षा निदेशालय, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक
2. निराला—रामविलास शर्मा , राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. छायावादी युगीन काव्य—अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
4. कविता और संघर्ष चेतना—यश गुलाटी, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
5. नई कविता का इतिहास, वैजनाथ सिंघल, संजय प्रकाशन, दिल्ली

सेमेस्टर 3

हिंदी अनुवाद (व्यावहारिक)

BA/MD/HIN/3/AEC/201

क्रेडिट: **2** **अधिकतम अंक: 50**

परीक्षा समय: **2 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 35 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 15 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×1= 7 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में दो खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक -एक प्रश्नका उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(2×14=28 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

अनुवाद विज्ञान की सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त होगी।

पाठ्यक्रम के अपेक्षितपरिणाम

1. अनुवाद का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
2. अनुवाद करने की योग्यता में अभिवृद्धि होगी।
3. अनुवाद की विभिन्न प्रविधियों का ज्ञान होगा।

खंड-क

अनुवाद: प्रक्रिया, प्रविधि, समस्याएं

खंड ख

अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद (व्यावहारिक)

संदर्भ सूची:-

1. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप—कैलाश चंद्र, भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
2. अनुवाद के विविध आयाम—पूरण चंद टंडन और हरीश कुमार सेठी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत एवं प्रयोग –राजमणि शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ, अकादमी, पंचकूला
4. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका---श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, नई दिल्ली
5. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेष्ण---तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 3

सर्जनात्मक लेखन

BA/MD/HIN/3/SEC/201

क्रेडिट: 3 **अधिकतम अंक: 75**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 50 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 25 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(4×2= 8 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में तीन खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक -एक प्रश्नका उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(3×14= 42 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

सर्जनात्मक लेखन के विविध आयामों से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. सर्जनात्मक लेखन की विविध विधाओं के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों का ज्ञान होगा
2. प्रिंट माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन क्षमता का विकास होगा।
3. दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन क्षमता विकसित होगी।

खंड क

सर्जनात्मकता की अवधारणा और सिद्धांत

सर्जनात्मक लेखन: अर्थ, स्वरूप, प्रकार, उद्देश्य, महत्त्व.

सर्जनात्मक लेखन एवं रचनात्मक लेखन में अंतर

खंड ख

सर्जनात्मक लेखन के विविध रूप

फ़ीचर, कहानी, निबन्ध, कविता, कथा साहित्य

खंड ग

सर्जनात्मक लेखन की भाषा के विविध रूप

बाह्य भाषा, बोलचाल की भाषा, साहित्यिक भाषा

संदर्भ सूची

1. अभिव्यक्ति एवं माध्यम—प्रकाशन राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

2. सर्जनात्मक लेखन—राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. सर्जनात्मक लेखन और रचना प्रकिया—अरूण कुमार भगत, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली
4. सर्जनात्मक लेखन—आनंद पाटिल, परमगंधा प्रकाशन, दिल्ली
5. रचनात्मक लेखन—डॉ रमेश गौतम, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 4

BA/MD/HIN/4/DSC/204

आधुनिक हिंदी कविता भाग 1

. क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

आधुनिक कविता एवं उसकी पृष्ठभूमि से परिचय करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. आधुनिका काल कवियों के काव्य क्षमता का बोध प्राप्त होगा ।
2. नवजागरण एवं राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया ज्ञान प्राप्त होगा।
3. आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख हस्ताक्षरों कविता का आलोचनात्मक बोध होगा।

खंड क

मैथिलीशरण गुप्त: अतीत का गौरव-गान, वीर अभिमन्यु, यशोधरा सखि-संवाद

खंड ख

रामधारी सिंह दिनकर: परम्परा, गाँधी, आदमी

खंड ग

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना: पोस्टर और आदमी, छीनने आये हैं वें, देश कागज़ पर बना नक्शा नहीं होता

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची

1. अभिनव काव्य-गरिमा—सम्पादक नरेश मिश्र, खाटूश्याम प्रकाशन, रोहतक
2. आधुनिक हिंदी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ—डॉ नगेन्द्र, गौतम बुक डिपो, नई दिल्ली
3. आधुनिका हिंदी कविता में विचार—डॉ बलदेव वंशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिक हिंदी कविता—डॉ हरदयाल, अटलांटिक प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक कविता सरिता—सम्पादक अरविन्द देसाई, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली

सेमेस्टर 4

BA/MD/HIN/4/DSC/205

कबीरदास: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

कबीर जी के जीवन, साहित्य और दर्शन का परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षितपरिणाम:

1. कबीर के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी।
2. कबीर के सरोकारों एवं मूल्यों का बोध होगा।
3. भारतीय चिन्तन धारा में कबीर की उपस्थिति का परिचय प्राप्त होगा।

खंड क

कबीर ग्रंथावली:

दोहे : सम्पादक श्यामसुंदर दास (आरम्भिक 10 दोहे)

खंड ख

रमैनी: आरम्भिक 10 पद (कबीर ग्रंथावली: सम्पादक श्यामसुंदर दास)

खंड ग

पद: आरम्भिक 10 पद (कबीर ग्रंथावली: सम्पादक श्यामसुंदर दास)

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची

1. कबीर ग्रंथावली—सम्पादक श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभी, काशी
2. कबीर: एक नई दृष्टि—डॉ रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर मीमांसा—रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कबीर—हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति आन्दोलन और भक्तिकाव्य—शिव कुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 4

BA/MD/HIN/4/DSC/206

सूरदास: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

सूरदास के जीवन, साहित्य एवं दर्शन से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. सूरदास के साहित्यिक अवदान की समझ विकसित होगी।
2. सूरदास के साहित्यिक सरोकारों एवं मूल्यों का बोध होगा।
3. भारतीय लोकजीवन में सूरदास की उपस्थिति का बोध कर सकेंगे।

खंड क

विनय के पद, गुरु महिमा के पद (सूरसागर सार—सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा)

खंड ख

पद: गोकुल लीला: कृष्ण जन्म, शैशवचरित (सूरसागर सार—सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा)

खंड ग

उद्धव सन्देश (उद्धव—गोपी संवाद) पहला व दूसरा संवाद (सूरसागर सार—सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा)

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची

1. सूरसागर सटीक—सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, प्राइवेट लिमिटेड इलाहाबाद
2. महाकवि सूरदास—आचार्य नन्ददुलारे वाजपयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भ्रमरगीत सार—आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभी, काशी
4. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य—शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबद
5. त्रिवेणी—आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

सेमेस्टर 4

BA/MD/HIN/4/MIC/202

हिंदी निबन्ध

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी निबन्ध की विकास यात्रा का अवलोकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. हिंदी निबन्ध का प्रवृत्तिगत विश्लेषण प्रदर्शित होगा।
2. हिंदी निबंधकारों के संवेदनात्मक धरातल का बोध प्राप्त होगा।
3. हिंदी के श्रेष्ठ निबंधकारों के साहित्यिक अवदान की जानकारी प्राप्त होगी।

खंड क

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल: चिन्तामणि (भाग 1) संकलित निबन्ध श्रद्धा एवं भक्ति, कविता क्या है ?

खंड ख

आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी: 'अशोक के फूल' में संकलित निबन्ध अशोक के फूल और मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है

खंड ग

बालमुकुन्द गुप्त: शिवशम्भू का चिट्ठा

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

सन्दर्भ सूची:

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल—कृष्णदत्त पालीवाल एवं जय सिंह नीरज, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल एवं हिंदी आलोचना—रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आलोचक रामचंद्र शुक्ल—गुलाब राय राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अशोक के फूल—हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. शिवशम्भू का चिट्ठा—बालमुकुन्द गुप्त, राजकमल प्रकाश, दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 4
BA/MD/HIN/4/AEC/202
अभिनव गद्य गरिमा

क्रेडिट: **2**
परीक्षा समय: **2 घंटे**

अधिकतम अंक: 50
बाह्य मूल्यांकन : 35 अंक
आंतरिक मूल्यांकन: 15 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×1= 7 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में दो खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(2×14=28 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी गद्य के विकास में विभिन्न विधाओं का योग रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षितपरिणाम

1. आधुनिक हिंदी गद्य की विधाओं नाटक, कहानी और एकांकी की भूमिका जानना।
2. गद्य में सामाजिकता, राजनीतिकरण, मनोवैज्ञानिकता आदि आदि भाव का ज्ञान होगा।
3. गद्य खंड में विभिन्न साहित्यिक वातावरणों से परिचय होगा।

खंड क

कहानी: बिरादरी बाहर
निबन्ध: नाखून क्यों बढ़ते हैं ?
रेखाचित्र: पुरुष और परमेश्वर

खंड ख

संस्मरण: बयालीस के ज्वार की लहरों में
यात्रा-वृत्त: रुपहला धुआँ

संदर्भ सूची:

1. अभिनव गद्य-गरिमा—प्रकाशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, विशेष: तीसरा संस्करण 2001

2. बिरादरी बाहर—राजेन्द्र यादव अभिनव गद्य-गरिमा—प्रकाशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, विशेष: तीसरा संस्करण 2001
3. नाखून क्यों बढ़ते हैं—हजारी प्रसाद द्विवेदी अभिनव गद्य-गरिमा—प्रकाशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, विशेष: तीसरा संस्करण 2001
4. पुरुष और परमेश्वर—रामवृक्ष बेनीपुरी अभिनव गद्य-गरिमा—प्रकाशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, विशेष: तीसरा संस्करण 2001
5. बयालीस के ज्वार की लहरों में—कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर अभिनव गद्य-गरिमा—प्रकाशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, विशेष: तीसरा संस्करण 2001
6. रुपहला धुआँ—विद्यानिवास मिश्र अभिनव गद्य-गरिमा—प्रकाशन, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, विशेष: तीसरा संस्करण 2001

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 4

BA/MD/HIN/4/VAC/103

साहित्य और समाज

क्रेडिट: **2** **अधिकतम अंक: 50**

परीक्षा समय: **2 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 35 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 15 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×1= 7 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में दो खंड हैं। प्रत्येक खंड में से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए चौदह अंक है। **(2×14=28 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. साहित्य और समाज के अंत:सम्बन्ध को रेखांकित करना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. साहित्य और समाज के अंत: सूत्रों की पहचान प्राप्त होगी।
2. साहित्य के सम्बन्ध में भारतीय दृष्टिकोण की जानकारी प्राप्त होगी।
3. भारतीय और पाश्चात्य दृष्टिकोण से साहित्य की समझ विकसित करना।

खंड क

साहित्य: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, प्रकार, विशेषताओं, महत्त्व

साहित्य का उद्देश्य (भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण)

खंड ख

साहित्य और समाज समाज का अंत:सम्बन्ध

समाज: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, विशेषता, महत्त्व

समाज निर्माण में साहित्य की भूमिका

संदर्भ पुस्तक सूची:-

1. भाषा, साहित्य और संस्कृति—रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्य और समाज—रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. साहित्य और समाज—विजयदान देथा, राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, राजस्थान
4. समाजशास्त्र—डॉ रामगोपाल कृष्ण अग्रवाल, आगरा बुक स्टोर, आगरा 1981-82
5. संस्कृति के चार अध्याय—रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 5

BA/MD/HIN/5/DSC/301

हिंदी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल एवं रीतिकाल)

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

भक्तिकाल के उदय एवं विकास की जानकारी प्राप्त करना.

भक्तिकाल के पड़ावों एवं आंदोलनों की जानकारी प्राप्त काना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. भक्तिकाल में संत काव्यधारा, सूफ़ी काव्यधारा की परम्परा एवं प्रवृत्तियों से परिचित होना
2. भक्तिकाल में रामकाव्य और कृष्ण काव्यधारा की परम्परा एवं प्रवृत्तियों से परिचित होना
3. भक्तिकाल की प्रासंगिकता तक दृष्टिकोण स्थापित करना.

खंड—क

भक्तिकाल का उद्भव एवं विकास

भक्तिकाल आन्दोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

खंड-ख

भक्तिकाल की परिस्थितियाँ

भक्तिकाल की प्रवृत्तियाँ

भक्तिकाल: हिंदी साहित्य का स्वर्णयुग

खंड-ग

संत काव्य: परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ

सूफ़ी काव्य: परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ

खंड-घ

कृष्ण काव्यधारा: परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ

राम भक्तिकाव्य: परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ

संदर्भ सूची:

1. हिंदी साहित्य का इतिहास ; सम्पादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग एक और दो) लेखक विश्वनाथ प्रसाद मिश्र वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लेखक डॉ. रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी साहित्य की भूमिका, लेखक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी , हिंदी ग्रन्थ रचनाकार, बॉम्बे
6. भक्ति और भक्ति आन्दोलन—डॉ सेवा सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 5

BA/MD/HIN/5/DSC/302

तुलसीदास:एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

तुलसीदास के जीवन, दर्शन एवं साहित्यिक अवदान से परिचित करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. तुलसीदास के साहित्यिक सरोकारों एवं मूल्यों का बोध प्राप्त होगा।
2. भारतीय चिंतनधारा में तुलसीदास का स्थान निर्धारित होगा।
3. वर्तमान युग में तुलसीदास की प्रासंगिकता पर विश्लेषण होगा।

खंड क

रामचरितमानस: सुन्दरकाण्ड

खंड ख

विनय पत्रिका: पद संख्या 1, 30, 31, 32, 36, 45, 76, 79, 84, 87

खंड ग

कवितावली: बालकाण्ड पद संख्या 1, 2, 4, 17

अयोध्याकाण्ड पद संख्या 1, 2, 6, 7, 8, 11, 12

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची:-

1. तुलसी काव्य-मीमांसा –उदयभानु सिंह, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
2. तुलसीदास—चन्द्रवली पाण्डेय, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. रामचरितमानस—तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
4. विनय पत्रिका-- तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर, उत्तर प्रदेश
5. कवितावली-- तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 5

BA/MD/HIN/5/DSC/303

मीराबाई: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. मीराबाई के जीवन, दर्शन एवं साहित्यिक अवदान से परिचित करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. मीराबाई के साहित्यिक सरोकारों एवं मूल्यों का बोध प्राप्त होगा।
2. भारतीय चिंतनधारा में तुलसीदास का स्थान निर्धारित होगा।
3. वर्तमान युग में मीराबाई के साहित्यिक प्रासंगिकता पर विश्लेषण होगा।

खंड क

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में मीराबाई का जीवन

मीरा और उनका युग

मीरा का काव्य—सम्पादक विश्वनाथ त्रिपाठी, आरम्भिक 10 पद

खंड ख

मीरा की भक्ति-भावना

मीरा के काव्य में सगुण-निर्गुण का प्रश्न

मीरा का काव्य—सम्पादक विश्वनाथ त्रिपाठी, 11-20 पद

खंड ग

मीरा के काव्य में विद्रोही चेतना

मीरा का काव्य—सौष्ठ्व/विशेषता

मीरा का काव्य—सम्पादक विश्वनाथ त्रिपाठी, 21-30 पद

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खण्डों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची:-

1. मीरा का काव्य—सम्पादक विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मीरा का जीवन—अरविन्द सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. फिर से मीरा—सम्पादक पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला
4. मध्यकालीन शोध और साहित्य—हजारी प्रसाद दिवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य—शिवकुमार मिस्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 5

BA/MD/HIN/5/MIC/ 301

लोक साहित्य

क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

4. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
5. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. लोक साहित्य की अवधारणा से परिचित करवाना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. लोक सहित्य और लोकजीवन के अंत: सम्बन्ध का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. लोक साहित्य की प्रासंगिकता का विश्लेषण किया जाएगा।
3. लोक साहित्य की प्रवृत्तियों में सामाजिक सरोकारों की भूमिका निर्धारित होगी।

खंड क

लोक साहित्य: अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा

लोक साहित्य की अवधारणा, विशेषता एवं प्रवृत्तियाँ

खंड-ख

लोक नाट्य: स्वरूप, प्रवृत्तियाँ, विशेषताएँ

लोक नाट्य के तत्त्व

खंड-ग

लोक कथाएँ; प्रवृत्तियाँ, विशेषताएँ

लोक कथा का तत्त्व

खंड-घ

लोकगीतों की विविशेषताएँ

लोकगीतों का संवेदना पक्ष

संदर्भ सूची

1. लोक साहित्य: सिद्धांत एवं परम्परा—सम्पादक श्रीराम शर्मा, साहित्य सरोवर, नई दिल्ली
2. लोक साहित्य की भूमिका—कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. लोक साहित्य विज्ञान—डॉ सत्येन्द्र, राजस्थानी ग्रन्थागार, राजस्थान
4. लोकसाहित्य के विविध आयाम—डॉ राममेहर सिंह, मनुराज प्रकाशन, जींद (हरियाणा)
5. लोक संस्कृति एवं साहित्य का वर्तमान स्वरूप—सम्पादित डॉ अल्पना सिंह, अनुसन्धान प्रकाशन, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 6

BA/MD/HIN/6/DSC/304

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल/काव्य खंड)

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी कविता की विकास यात्रा पर दृष्टिपात किया जाएगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. हिंदी कविता के वैचारिक पक्ष पर विचार विमर्श करना।
2. आधुनिक हिंदी कविता के विभिन्न युगों का अध्ययन होगा।
3. आधुनिक हिंदी कविता में विचारधारा के योगदान को रेखांकित होगा।

खंड-क

भारतेंदु युगीन काव्य: परिस्थितियाँ एवं पृष्ठभूमि,

प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ द्विवेदी युगः परिस्थितियाँ एवं पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

खंड ख

छायावादी युगीन काव्य: परिस्थितियाँ एवं पृष्ठभूमि,

प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक काव्यधारा: प्रमुख कवि एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

खंड ग

प्रगतिवादः युगीन काव्य: परिस्थितियाँ एवं पृष्ठभूमि,

प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ प्रयोगवादः परिस्थितियाँ एवं पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

खंड घ

नई कविताः परिस्थितियाँ एवं पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

साठोत्तरी कविताः परिस्थितियाँ एवं पृष्ठभूमि, प्रमुख कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ

संदर्भ सूची:-

1. हिंदी साहित्य का इतिहास—आचार्य रामचंद्र शुक्ल, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का इतिहास—सम्पादक डॉ नगेन्द्र और डॉ हरदयाल, मयूर बुक्स प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास—डॉ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास—रामस्वरूप चर्तुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी का गद्य साहित्य—डॉ. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय, वाराणसी

सेमेस्टर 6

BA/MD/HIN/6/DSC/305

जायसी: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. जायसी के जीवन, दर्शन और साहित्य की जानकारी प्राप्त करना

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. जायसी के साहित्य का विशेष अध्ययन होगा।
2. सूफ़ी साहित्य परम्परा में जायसी का स्थान निर्धारित होगा।
3. जायसी के काव्य का प्रवृत्तिगत विश्लेष्ण होगा।

खंड क

जायसी और उनका युग, जायसी की काव्य कला

पद्मावत: नागमती सुआ खंड (83-92 पद)

खंड ख

जायसी के काव्य में रूपक तत्त्व

जायसी और रहस्यवाद

पद्मावत: वियोग खंड पद संख्या 183-192

खंड ग

जायसी के काव्य में लोक तत्त्व

सूफी काव्य और जायसी

पद्मावत: नागमती वियोग खंड

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची:'

1. पद्मावत—सम्पादक वासुदेवशरण अग्रवाल, साहित्य सदन, चिरगाँव झाँसी
2. सूफ़ी मत—रामपूजन तिवारी, ज्ञान मंडल लिमिटेड, वाराणसी
3. जायसी ग्रंथावली—रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभी, काशी
4. जायसी—विजयदेव नारायण साही, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भक्ति आन्दोलन और भक्ति काव्य—शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 6

BA/MD/HIN/6/DSC/306

अज्ञेय: एक विशेष अध्ययन

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है।
   (3×14= 42 अंक)
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. अज्ञेय के जीवन, दर्शन और साहित्यिक अवदान को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. अज्ञेय के साहित्य का प्रवृत्तिगत विश्लेषण का बोध होना।
2. अज्ञेय के साहित्य में आधुनिकता बोध के स्वर की पहचान होगी।
3. प्रयोगवाद में अज्ञेय के अवदान की परीक्षा होगी।

खंड-क

कविताएँ:
कलगी बाजरे की,
नया कवि: आत्मस्वीकार,
कन्हाई ने प्यार किया,
कितनी नावों में कितनी कितनी बार,
पहले मैं सन्नाटा बुनता हूँ

खंड ख

कहानियाँ: गैंग्रीन (रोज)
जयदोल
गृह त्याग,
पठार की धीरज
लेटर बॉक्स

विपथगा,

मेजर चौधरी की वापसी

खंड ग

उपन्यास: अपने-अपने अजनबी

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची:-

1. अज्ञेय—सम्पादक विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
2. प्रतिनिधि कहानियाँ—अज्ञेय, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
3. अज्ञेय—रामचंद्र शाह, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
4. अपने-अपने अजनबी—अज्ञेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या—रामस्वरूप चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

सेमेस्टर 6

BA/MD/HIN/6/MIC/302

हिंदी पत्रकारिता

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

हिंदी पत्रकारिता की विकास यात्रा को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. हिंदी पत्रकारिता के उद्भव एवं विकास का परिचय होगा।
2. हिंदी पत्रकारिता के विविध रूपों से अगवत होंगे।
3. सम्पादन कला के विविध पक्षों की जानकारी प्राप्त होगी।

खंड-क

पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा और महत्त्व
हिंदी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
पत्रकारिता की भाषा

खंड-ख

पत्रकारिता के विविध रूप:
रेडियो पत्रकरिता, खेल पत्रकारिता, फ़िल्म पत्रकारिता, वाल प्रकारिता, कृषि पत्रकारिता, ग्रामीण एवं व्यावसायिक पत्रकारिता

खंड-ग

सम्पादन कला, सम्पादक के गुण
समाचार पत्र-पत्रिकाओं में भाषा का महत्त्व

खंड-घ

फ़ीचर लेखन, संक्षेपण लेखन, पल्लवन लेखन

संदर्भ सूची

1. पत्रकारिता हेतु लेखन—डॉ निशांत सिंह, अर्चना पब्लिकेशन, दिल्ली
2. समाचार फ़ीचर लेखन और संपादन कला—प्रोफेसर हरिमोहन तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

3. मीडिया लेखन: सिद्धांत और प्रयोग—मुकेश मानस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास—जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी पत्रकारिता—कृष्ण बिहार मिश्र, ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 6

BA/MD/HIN/6/MIC/303

हिंदी एकांकी

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

1. एकांकी विधा से परिचय कराना
2. विभिन्न संदर्भों में संवाद बोलने की क्षमता का विकास

पाठ्यक्रम का अपेक्षित परिणाम

1. प्रस्तावित पाठ्यक्रम के छात्रों द्वारा साहित्य के सैद्धान्तिक व्यावहारिक एवं दोनों रूपों से परिचित होंगे |
2. प्रस्तावित पाठ्यक्रम में भाषा और समाज के सम्मिलित सदस्यों की पहचान करने में सक्षम हो ताकि वह समाज, राष्ट्र और विश्व के साथ मिलकर समय में व्यापक सदस्यों से अपना संबंध स्थापित कर सकें |
3. इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों की भाषा कौशल, लेखन और सम्प्रेषण क्षमता का विकास होगा |
4. निर्धारित पाठ के माध्यम से रचनाकारों की युगीन विचारधारा और वैज्ञानिक प्रवृत्तियों के अध्ययन से छात्रों में राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता के भाव का विकास होगा |

खंड-क

एकांकी: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
हिंदी एकांकी उद्भव एवं विकास
तांबे के कीड़े (भुवनेश्वर प्रसाद)
औरंगज़ेब की आख़िरी रात (रामकुमार वर्मा)

खंड-ख

एकांकी के तत्त्व: सैद्धांतिक विवेचन
हिंदी एकांकी: विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ
लक्ष्मी का स्वागत (उपेन्द्रनाथ अश्क)

रीढ़ की हड्डी (जगदीश चंद्र माथुर)

खंड-ग

बसंत ऋतु का नाटक (लक्ष्मीनारायण लाल)
संस्कार और भावना (विष्णु प्रभाकर)
बहुत बड़ा सवाल (मोहन राकेश)
हरी घास पर घंटे भर (सुरेन्द्र वर्मा)

खंड-घ

निर्धारित 'आठ एकांकी' पाठ्यपुस्तक में से व्याख्या

संदर्भ सूची

1. आठ एकांकी—देवेन्द्र राज अंकुर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नाट्य शास्त्र की भारतीय परम्परा और दशरूपक – हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली,
3. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, 28.
4. हिंदी एकांकी- सिद्धनाथ कुमार, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली, 2009.
5. एकांकी उद्भव और विकास - मंजरी त्रिपाठी, ज्ञान-विज्ञान प्रकाशन दिल्ली |
6. नए एकांकी – संपा. अज्ञेय, राजपाल एंड संस, नयी दिल्ली, प्रथम संस्करण – 1961

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 7

BA/H/HIN/7/DSC/401

हिंदी कहानी

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. हिंदी कहानी के उद्भव एवं विकास पर दृष्टिपात करना.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. हिंदी कहानी की विकास प्रक्रिया का विश्लेषणात्मक अध्ययन प्रस्तुत होगा।
2. विभिन कहानी आंदोलनों का प्रवृत्तिगत विश्लेष्ण होगा।
3. प्रतिनिधि कहानियों का पाठ विश्लेष्ण होगा।

खंड-क

हिंदी कहानी की पृष्ठभूमि एवं विकास
दुलाईवाली (बंग महिला),
एक टोकरी भर मिट्टी (माधव राव स्प्रे)
ग्यारह वर्ष का समय (रामचन्द्र शुक्ल)

खंड ख

कहानी के कला तत्त्व
ईदगाह (प्रेमचंद)
आकाशदीप (जयशंकर प्रसाद)
ठेस (फणीश्वर नाथ रेणु)

खंड ग

कहानी का रचनात्मक वैशिष्ट्य
अपना-अपना भाग्य (जैनेन्द्र)
गैंग्रीन/रोज (अज्ञेय)
चीफ़ की दावत (भीष्म साहनी)

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खण्डों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची:-

1. कहानी: नयी कहानी—नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिंदी कहानी का इतिहास—गोपाल राय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी कहानी का विकास—मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. आधुनिका हिंदी कहानी –लक्ष्मीनारायण लाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिंदी कहानी: परम्परा और प्रगति—डॉ हरदयाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रतिनिधि कहानियाँ—प्रेमचंद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कथाक्रम—डॉ रोहिणी अग्रवाल, खाटू श्याम प्रकाशन, रोहतक

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 7

BA/H/HIN/7/DSC/402

हिंदी नाटक

क्रेडिट: 4

परीक्षा समय: **3 घंटे**

अधिकतम अंक: **100**

बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी।

(2×7=14 अंक)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. नाटकों के अध्ययन के माध्यम से रंगमंच का व्यावहारिक ज्ञान देना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. रंगमंच का व्यावहारिक स्तर पर अवलोकन होगा।
2. हिंदी नाटक की विकास यात्रा का आलोचनात्मक विश्लेषण किया जाएगा।
3. प्रतिनिधि नाटकों एवं नाटककारों की कृतियों का पाठ विश्लेषण किया जाएगा।

खंड-क

हिंदी नाटक की पृष्ठभूमि एवं विकास

स्कंदगुप्त (जयशंकर प्रसाद)

खंड ख

नाटक के तत्त्व एवं भेद

एक और द्रोणाचार्य (शंकर शेष)

खंड ग

नाटक और रंगमंच

अंधा युग (धर्मवीर भारती

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खण्डों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची

1. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास—दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
2. स्कन्दगुप्त—जयशंकर प्रसाद— राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. एक और द्रोणाचार्य—शंकर शेष, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अँधा युग—धर्मवीर भारती, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद
5. हिंदी नाटक—बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 7

BA/H/HIN/7/DSC/403

हिंदी उपन्यास

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. हिंदी उपन्यास की विकास परम्परा का ज्ञान करवाना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. हिंदी उपन्यास के प्रति समझ विकसित होगी।
2. भारतीय मध्य वर्ग, किसान एवं अन्य वर्गों की उपन्यासों में उपस्थिति का बोध होगा
3. हिंदी उपन्यासों की संरचना और शिल्प का बोध होगा।

खंड-क

हिंदी उपन्यास की पृष्ठभूमि एवं विकास

परीक्षा गुरु: लाला श्रीनिवास दास

खंड ख

औपन्यासिक तत्व

निर्मला : प्रेमचंद

खंड ग

उपन्यास के प्रकार

आपका बंटी: मन्नू भंडारी

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची:

1. परीक्षा गुरु—लाला श्रीनिवास दास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. निर्मला—प्रेमचंद, साहित्य सरोवर, उत्तर प्रदेश
3. आपका बंटी—मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी उपन्यास का उद्भव एवं विकास—डॉ उमेश शास्त्री देवनागर प्रकाशन, जयपुर
5. उपन्यास की संरचना—गोपालराय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 7

BA/H/HIN/7/DSC/404

हिंदी साहित्य एवं समकालीन चिन्तन

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. साहित्य को समकालीन संदर्भों से जोड़ना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. साहित्य का विमर्श: के आधार पर मूल्याङ्कन होगा।
2. समकालीन विमर्श: के आलोक में साहित्य की परख होगी।
3. अस्मितामूलक विमर्श: के आधार पर साहित्य का विवेचन-विश्लेषण होगा।

खंड क

दलित विमर्श: अवधारणा और आन्दोलन
हिंदी साहित्य और दलित विमर्श

खंड ख

स्त्री विमर्श: अवधारणा
हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श

खंड ग

आदिवासी विमर्श: अवधारणा
हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श

खंड घ

थर्ड जेंडर की अवधारणा,
थर्ड जेंडर की अस्मिता का प्रश्न
हिंदी साहित्य और थर्ड जेंडर विमर्श:

सदर्भ सूची:-

1. आधुनिकता के आईने में दलित—अभय दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. स्त्री उपेक्षिता—सिमोन द बुआ, हिंदी पॉकेट, नई दिल्ली
3. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी—रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. अस्मितामूलक साहित्य का सौन्दर्य दर्शन—कर्मचंद आर्य, मार्जिन लाइज्ड, दिल्ली
5. हिंदी साहित्य में थर्ड जेंडर विमर्श—सम्पादक पायल लिल्हारे, डॉ. श्याम मोहन पटेल, विकास प्रकाशन, नई दिल्ली
6. दलित आत्मकथाएँ—प्रोफेसर अजमेर सिंह काज़ल

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 7

BA/H/HIN/7/DSC/405

भारतीय साहित्य

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचय प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. भारतीय साहित्य एवं अनुवाद के सम्बन्ध का ज्ञान कराना।
2. भारतीय साहित्य में एकता के स्वर को पहचानना।
3. भारतीय साहित्य के विविध रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं का पाठ विश्लेषण करना।

खंड क

भारतीय साहित्य का इतिहास
भारतीय साहित्य के विविध रूप
भारतीय साहित्य में भक्ति आन्दोलन

खंड ख

भारतीय साहित्य की विशेषताएँ
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
भारतीय साहित्य में संस्कृति

खंड ग

संस्कार (कन्नड़ से अनूदित)—यू. आर. अनंतमूर्ति

खंड घ

प्रतिनिधि कहानियाँ—रविंद्रनाथ टैगोर

संदर्भ सूची:-

1. संस्कार (कन्नड़ से अनूदित)—यू. आर. अनंतमूर्ति, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रतिनिधि कहानियाँ—रविंद्रनाथ टैगोर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य अध्ययन की नई दिशाएं—प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारतीय साहित्य—मूलचंद गौतम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य की रूपरेखा—भोलाशंकर व्यास, चौखम्भा प्रकाशन, वाराणसी

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 7

BA/MD/HIN/7/MIC/401

हिंदी का राष्ट्रीय काव्य

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

साहित्य को राष्ट्रीयता के परिप्रेक्ष्य में देखना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. साहित्य में राष्ट्रीय काव्य धारा के स्वर की पहचान होगी।
2. राष्ट्रीय काव्य का प्रवृत्तिगत विश्लेष्ण होगा।
3. राष्ट्रीय काव्य की प्रमुख रचनाओं को राष्ट्रीयता के आधार पर विश्लेषित किया जाएगा।

खंड-क

राष्ट्रीय कवि मैथिलीशरण गुप्त

स्वराज्य की अभिलाषा, सत्याग्रह, स्वराज

खंड-ख

राष्ट्रीय कवि माखनलाल चतुर्वेदी:

पुष्प की अभिलाषा, कैदी और कोकिला, सिपाही

खंड ग

रामधारी सिंह दिनकर:

कलम आज उनकी जय बोल

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला:

वीणा वादिनी वर दे, जागो ! फिर एक बार —

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची

1. मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली—सम्पादक कृष्णदत्त पालीवाल
2. स्वतंत्रता पुकारती—सम्पादक नन्द किशोर नवल, साहित्य अकादमी, 2006
3. राष्टीय काव्यधारा—सम्पादक डॉ. अभय कुमार खैर नार और दीपक पाटिल, अर्थव प्रकाशन,
4. राष्ट्रीय काव्यधारा—डॉ. कन्हैया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी राष्ट्रीय—प्रोफेसर नरेश मिश्र, संजय प्रकाशन, भोपाल

सेमेस्टर 8

BA/H/HIN/8/DSC/406

तुलनात्मक साहित्य

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा की पहचान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. तुलनात्मक साहित्य का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में अध्ययन होगा।
2. तुलनात्मक साहित्य के क्षेत्रों का अध्ययन किया जाएगा।
3. तुलनात्मक साहित्य एवं भारतीय साहित्य के अंत: सम्बन्ध की परख होगी।

खंड क

तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा, परिभाषा और स्वरूप, विशेषताएँ

खंड ख

तुलनात्मक साहित्य का इतिहास,
तुलनात्मक साहित्य की विविध विधियाँ

खंड ग

तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन का महत्त्व
तुलनात्मक साहित्य का भारतीय परिप्रेक्ष्य

खंड घ

तुलनात्मक भारतीय साहित्य और भारतीय साहित्य के इतिहास की संकल्पना।
तुलनात्मक साहित्य का क्षेत्र

सदर्भ सूची:-

1. तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिप्रेक्ष्य—इंद्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भारतीय तुलनात्मक साहित्य—इंद्रनाथ चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तुलनात्मक अध्ययन: भारतीय भाषाएँ और साहित्य—सम्पादक भ.ह. राजूरकर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. तुलनात्मक साहित्य: नये सिद्धांत और उपयोजन—आनंद पाटिल (अनुवाद चंद्रलेख), न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन, नई दिल्ली
5. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका—इन्द्रनाथ चौधरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 8

BA/H/HIN/8/DSC/407

शोध: स्वरूपगत विवेचन

क्रेडिट: 4 | अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** | बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक**)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. शोध की अवधारणा एवं स्वरूप का परिचय प्राप्त करवाया जाएगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. शोध की प्रविधि एवं पद्धतियों की जानकारी प्राप्त होगी।
2. शोध एवं आलोचना में मूलभूत अंतर ज्ञात होगा।
3. शोध के अंतर्गत उसके विभिन्न तत्त्वों का विवेचन-विश्लेषण होगा।

खंड क

शोध की अवधारणा एवं स्वरूप

शोध के के प्रकार्य एवं पद्धतियाँ

खंड ख

शोध की आवश्यकता एवं महत्त्व

शोध और आलोचना

शोध और समीक्षा

खंड ग

साहित्य में शोध, विषय चयन और परिकल्पना

खंड घ

शोध: संदर्भ एवं उद्धरण

संदर्भ ग्रन्थ सूची

शोध एवं पुस्तकालय

संदर्भ सूची:-

1. शोध प्रविधि—हरिश्चन्द्र वर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला, हरियाणा
2. शोध का स्वरूप एवं मानक व्याहवारिक कार्यविधि—बैजनाथ सिंघल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुसन्धान प्रविधि: सिद्धांत और प्रक्रिया—एस.एन. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. हिंदी अनुसन्धान—विजयपाल सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. शोध प्रविधि—विनय मोहन सिंह, मयूर बुक्स, नई दिल्ली

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 8

BA/H/HIN/8/DSC/408

हिंदी आलोचना: प्रमुख आलोचक

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. आलोचना की अवधारणा एवं स्वरूप का परिचय प्राप्त करवाया जाएगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. हिंदी आलोचना के विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. आलोचना के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. प्रमुख आलोचकों की आलोचना दृष्टि का मूल्याङ्कन किया जाएगा।

खंड-क

आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि

आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि

खंड ख

आचार्य नन्ददुलारे वाजपयी की आलोचना दृष्टि

डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना दृष्टि

खंड ग

डॉ नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि

डॉ. नगेन्द्र की आलोचना दृष्टि

खंड घ

अज्ञेय की आलोचना दृष्टि

मुक्तिबोध की आलोचना दृष्टि

संदर्भ सूची:-

1. हिंदी आलोचना—डॉ विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी आलोचना: दृष्टि और प्रवृत्तियाँ—डॉ मनोज पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिंदी आलोचना का विकास—नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी आलोचना का विकास—मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. हिंदी आलोचना शिखरों का साक्षात्कार—रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 8

BA/H/HIN/8/DSC/409

प्रवासी साहित्य

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. प्रवासी साहित्य की अवधारणा का परिचय करवाया जाएगा।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. विश्व हिंदी साहित्य की अवधारणा की समझ विकसित होगी .
2. साहित्य के प्रति आलोचना की तुलनात्मक दृष्टि का विकास होगा।
3. प्रवासी साहित्यकारों की कृतियों का आलोचनात्मक का अध्ययन होगा।

खंड क

प्रवासी साहित्य की अवधारणा, स्वरूप एवं विकास

घर का ढूँठ (कहानी)—शैल अग्रवाल

खंड ख

हिंदी में प्रवासी लेखन का आरम्भ

प्रवासी लेखक की प्रवृत्तियाँ (विशेषताएँ)

कोख का किराया (कहानी)—तेजेंद्र शर्मा

खंड ग

न भेज्यो बिदेस (उपन्यास)—सुदर्शन प्रियदर्शनी

खंड घ

उपर्युक्त तीनों खंडों के आधार पर व्याख्या

संदर्भ सूची:-

1. कथा लन्दन—सम्पादन सूरज प्रकाश प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
2. न भेज्यो बिदेस—सुदर्शन प्रियदर्शनी, नमन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी का प्रवासी साहित्य—कमल किशोर गोयनका, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रवासी हिदी साहित्य:दशा और दिशा—सम्पादक प्रदीप श्रीधर, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. समकालीन कथा साहित्य: सरहदें व सरोकार—सम्पादित डॉ रोहिणी अग्रवाल, आधार प्रकाशन, पंचकूला।

सेमेस्टर 8

BA/H/HIN/8/DSC/410

समकालीन हिंदी कविता भाग 2

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रथम तीन खण्डों में से दो-दो दीर्घ पश्न पूछे जाएंगे। परीक्षार्थी को तीनों खंडों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का है। **(3×14= 42 अंक)**
3. चतुर्थ खंड व्याख्या भाग हेतु निर्धारित है। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से चार प्रसंग व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे जिसमें परीक्षार्थी को किन्हीं दो प्रसंगों की व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या सात अंक की होगी। **(2×7=14 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. हिंदी कविता के समकालीन परिदृश्य को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

1. समकालीन हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत विश्लेषण प्राप्त होगा।
2. समकालीन हिंदी कविता के वैचारिक पक्ष का विश्लेषण होगा।
3. प्रमुख कवियों की कविताओं का पाठ विश्लेषण किया जाएगा।

खंड-क

नागार्जुन:

उनको प्रणाम, सिन्दूर तिलकित भाल, बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद,

(समकालीन हिंदी कविता—सम्पादक सरिता वाशिष्ठ)

खंड-ख

रघुवीर सहाय:

लोकतंत्र का संवाद, चिट्ठयां, भाषा का युद्ध, रामदास, कोई एक और मतदाता, काला नंगा बच्चा, आत्महत्या के विरूद्ध, चिथड़ा-चिथड़ा मैं,

(समकालीन हिंदी कविता—सम्पादक सरिता वाशिष्ठ,)

खंड-ग

लीलाधर जगूड़ी:

वृक्ष हत्या, परिवार की खाड़ी में, स्वतंत्र जुबान, ईश्वर और आदमी की बातचीत, जो ठोकर खाते हैं, बहुत से पत्थर पड़े हैं.

(समकालीन हिंदी कविता—सम्पादक सरिता वाशिष्ठ,)

खंड-घ

उपर्युक्त तीनों खण्डों पर आधारित व्याख्या

संदर्भ सूची

1. समकालीन हिंदी कविता—सम्पादक सरिता वाशिष्ठ, प्रकाशन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
2. कविता के नए प्रतिमान—डॉ नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. नई कविता और अस्तित्ववाद—डॉ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आधुनिक हिंदी कविता—डॉ हरदयाल, अटलांटिक प्रकाशन, नई दिल्ली
5. आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास—नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

]

Syllabus as per NEP UG Hindi (Multidisciplinary)

सेमेस्टर 8

BA/MD/HIN/8/MIC/ 402

कार्यालयी हिंदी एवं कंप्यूटर

क्रेडिट: 4 अधिकतम अंक: **100**

परीक्षा समय: **3 घंटे** बाह्य मूल्यांकन : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन: 30 अंक

निर्देश:-

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम में से सात लघु अनिवार्य प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो अंक का होगा। **(7×2= 14 अंक)**
2. निर्धारित पाठ्यक्रम में चार खंड हैं। प्रत्येक खंड से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे और परीक्षार्थी को प्रत्येक खंड से एक-एक दीर्घ प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न चौदह अंक का होगा। **(4×14= 56 अंक)**

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

1. कंप्यूटर का तकनीकी ज्ञान प्राप्त करना।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम:

1. तकनीकी क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग का विश्लेषण होगा।
2. कंप्यूटर का हिंदी में अनुप्रयोग
3. तकनीकी क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिकता।

खंड-क

कार्यालयी हिंदी का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व

कार्यालयी हिंदी का स्वरूप एवं इसकी विशेषता

खंड ख

कंप्यूटर का अर्थ, परिभाषा एवं महत्त्व

कंप्यूटर के उपकरण और प्रयोग,

कंप्यूटर का उद्भव एवं विकास.

वर्ल्ड वाइड वेबसाइट

खंड ग

विभिन्न सोशल साइट्स: परिचय, उपयोग और महत्त्व, समस्याएं एवं समाधान

इन्टरनेट का ऐतिहासिक परिचय, इन्टरनेट के उपकरणों का परिचय

खंड घ

पत्र लेखन :- औपचारिक पत्र और अनौपचारिक पत्र

संदर्भ सूची -

1. प्रयोजनमूलक हिंदी—डॉ नरेश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में—राजेश रंजन, हिंदी बुक्स सेंटर, नई दिल्ली।
3. कंप्यूटर बेसिक शिक्षा—गुंजन शर्मा, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
4. कंप्यूटर और हिंदी—हरिमोहन, हिंदी बुक्स सेंटर, नई दिल्ली।